भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

28.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3306 का उत्तर

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की स्थिति

3306. श्री हरीस बीरन:
श्री नीरज डांगी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की वर्तमान स्थिति और उनके पूरा होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है;

(ख) माल परिवहन दक्षता और संभार तंत्र लागत पर इन गलियारों का क्या प्रभाव है;

(ग) वित्तीय वर्ष 2025 में रेल अवसंरचना विस्तार के लिए कितना वित्तीय परिव्यय आवंटित किया गया है; और

(घ) क्या मंत्रालय ने केरल के पालघाट जिले के कंजिक्कोड में 300 एकड़ की अप्रयुक्त भूमि पर अवसंरचना विकास करने की कोई पहल की है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने दो समर्पित माल यातायात गलियारों यथा लुधियाना से सोननगर तक ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1337 कि.मी.) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी तक वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1506 कि.मी.) का निर्माण कार्य शुरू किया है। कुल 2843 कि.मी. में से 2741 मार्ग किलोमीटर (96.4%) को कमीशन एवं परिचालित किया गया हैं। शेष खंड पर कार्य शुरू कर दिया गया है।

समर्पित माल गलियारा परियोजना से पारवहन और लॉजिस्टिक क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है क्योंकि इससे डबल स्टैक कंटेनर गाड़ियों, उच्चतर धुरा भार गाड़ियों की आवाजाही में वृद्धि हुई, पश्चिमी पत्तनों द्वारा उत्तरी दूरस्थ क्षेत्रों तक तीव्र पहुंच और उद्योगों के साथ नए टर्मिनलों/संपर्क सूत्रों के विकास को संभव बनाया है। पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारा पूर्वी भारत से खनिज यातायात की अधिकांश आवश्यकताओं को पूरा करता है। इन विकास कार्यों से लॉजिस्टिक लागत में कमी आई।

समर्पित माल गलियारों द्वारा माल यातायात को पूर्वी समर्पित माल गलियारे और पश्चिमी समर्पित माल गलियारे की ओर मोड़कर पारंपरिक नेटवर्क पर अतिरिक्त मार्ग सृजित करने में योगदान दिया है। समर्पित माल गलियारों पर यातायात वर्ष 2024-25 में (फरवरी 2025 तक) प्रतिदिन औसतन 352 गाड़ियों तक पहुंच गया है। फरवरी 2025 में, औसतन 371 गाड़ियां परिचालित की गई। इसके परिणामस्वरूप, रेलवे को अपने नेटवर्क पर बेहतर समयपालन के साथ अतिरिक्त माल और यात्री सेवाओं के परिचालन में सक्षमता मिली है।

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन निम्नानुसार दिया गया है:

अवधि	**औसत परिव्यय**	**वर्ष 2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि**
2009-14	11,527 करोड़ रु. प्रतिवर्ष	-
2024-25	68,634 करोड़ रु.	लगभग 6 गुना

खाली पड़ी रेल भूमि का उपयोग परिचालनिक आवश्यकताओं के लिए बहुपथन, माल यातायात टर्मिनलों, कारखानों आदि जैसी अवसरंचना के निर्माण के लिए किया जाता है। अधिशेष खाली रेल भूमि, जिसकी निकट भविष्य में परिचालनिक उद्देश्य के लिए आवश्यकता नहीं है, वाणिज्यिक विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपी जाती है। केरल के कंजिक्कोड, पालघाट जिले में लगभग 228.85 एकड़ खाली रेल भूमि उपलब्ध है। केरल के कंजिक्कोड, पालघाट जिले में खाली रेल भूमि को भविष्य के विकास/परिचालनिक आवश्यकताओं के लिए आरक्षित रखा गया है।

इसके अलावा, संपर्कता में सुधार के लिए केरल राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली कुल 419 कि.मी. लंबाई की 12,350 करोड़ रुपये लागत की 08 परियोजनाएं (02 नई लाइन और 06 दोहरीकरण) योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से मार्च, 2024 तक 26 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 3,046 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	**परियोजनाओं की संख्या**	**कुल लंबाई**	**कमीशन की गई लंबाई**	**शेष**	**मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)**
नई लाइन	02	146 कि.मी	0 कि.मी	146 कि.मी	304
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	06	273 कि.मी	26 कि.मी	246 कि.मी	2,742
कुल	**08**	**419 कि.मी.**	**26 कि.मी**	**393 कि.मी.**	**3,046**

पिछले तीन वर्षों में (अर्थात 2021-2022, 2022-2023, 2023-24 और चालू वित्तीय वर्ष अर्थात 2024-25) केरल राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाले कुल 8 सर्वेक्षण (2 नई लाइन और 6 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 993 किलोमीटर है, स्वीकृत किए गए हैं और सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।

वर्ष 2014 से केरल राज्य में निधि आवंटन में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो इस प्रकार है:-

अवधि	**औसत परिव्यय**	**2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में वृद्धि**
2009-14	372 करोड़ रुपए/वर्ष	-
2025-26	3,042 करोड़ रुपए	8 गुना से अधिक

केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरल राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार हैः

केरल में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	475 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	66 हेक्टेयर (14%)
शेष भूमि जिसका अधिग्रहण किया जाना है	409 हेक्टेयर (86%)

भूमि अधिग्रहण कार्य में तेजी लाने के लिए केरल सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

केरल की प्रमुख परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण की स्थिति					
क्र.स.	**परियोजना का नाम**	**भूमि की संपूर्ण स्थिति (हेक्टेयर)**			**राज्य सरकार के पास जमा की गई राशि (करोड़ रूपए में)**
		कुल अपेक्षित	**कुल अधिगृहीत**	**कुल शेष**	
1	त्रिवेंद्रम - कन्याकुमारी दोहरीकरण	40	33	7	1312
2	एर्णाकुलम - कुम्बलम दोहरीकरण	4	2	2	262
3	कुम्बलम - तुरवूर दोहरीकरण	10	6	4	248
4	अंगमाली-सबरीमाला नई लाइन	416	24	392	282

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल, सफलता केरल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

*****